न्यूज गैलरी

बुजुर्ग सिख को लंदन के स्टोर से बाहर निकाला

लंदन : ब्रिटेन की राजधानी लंदन में कोरोना संक्रमण फैलने के डर से जरूरी सामान खरीदने सुपर मार्केट पहुंचे एक बुजुर्ग सिख से बदसुलूकी की घटना सामने आई है। इलफर्ड स्थित आइसलैंड सुपर मार्केट के कर्मचारियों ने उन्हें धक्का देकर बाहर निकाल दिया। बुधवार को हुई यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। लोग स्टोर के कर्मचारियों के इस बर्ताव पर अफसोस और गुस्से का इजहार कर रहे हैं। वीडियो में बुजुर्ग सिख यह कहते दिख रहे हैं कि आपने मुझे धक्का दिया, जबकि दूसरी तरफ स्टोर का कर्मचारी कह रहा है कि यहां से बाहर जाओ। (प्रेट्र)

श्रीलंका में 25 अप्रैल को होने वाले संसदीय चुनाव स्थगित

कोलंबो : देश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों के कारण श्रीलंका में 25 अप्रैल को होने वाला संसदीय चुनाव स्थगित कर दिया गया है। श्रीलंका के चुनाव आयुक्त महिंदा देशप्रिय ने गुरुवार को कहा कि चुनाव टालने का यह निर्णय कोरोना महामारी के मद्देनजर लिया गया है। देशप्रिय ने बताया कि चुनाव की अगली तारीख का एलान 25 मार्च के बाद किया जाएगा। श्रीलंका में सितंबर तक नई संसद का गठन होना है। दो हफ्ते पहले तक केवल दो मामले सामने आने के बाद देश में अब कोरोना संक्रमितों की संख्या 50 पार कर चुकी है। (प्रेट्र)

गेम ऑफ थ्रोंस की स्टार इंदिरा वर्मा भी कोरोना की चपेट में

लंदन : कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले सितारों की सूची में चर्चित टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोंस' की अभिनेत्री इंदिरा वर्मा का नाम भी शामिल हो गया है। भारतीय पिता की संतान ब्रिटिश अभिनेत्री इंदिरा ने इंस्टाग्राम पर बताया कि कोरोना जांच में वह पॉजिटिव पाई गई हैं। 46 वर्षीय अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा, तबीयत ठीक नहीं होने के कारण मैं बिस्तर पर हूं। इससे पहले 'गेम ऑफ थ्रोंस' में काम कर चुके अभिनेता क्रिस्टोफर हिव्ज भी संक्रमित पाए गए थे। (प्रेट्र)

ट्रंप ने भारतवंशी प्रोफेसर को फिर सौंपी अहम जिम्मेदारी

न्यूयॉर्क : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतवंशी प्रोफेसर आदित्य बामजई को निजता और नागरिक स्वतंत्रता निगरानी बोर्ड का दोबारा सदस्य नामित किया है। मशहूर कानूनविद और वर्जीनिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर बामजई की इस नियुक्ति पर मुहर का प्रस्ताव सीनेट भेज दिया गया है। बामजई इससे पहले भी आतंकवाद पर सुझाव देने वाले महत्वपूर्ण बोर्ड के सदस्य रह चुके हैं। (प्रेट्र)

इटली में चीन से ज्यादा मौतें, सेना उतरी

कोरोना का कहर ▶ बर्गमो शहर में सैन्य ट्रकों से ताबूत ले जाने का वीडियो आया सामने

लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा लंदन, बंद होंगे अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन

मिलान, रायटर : कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित इटली मौतों के मामले में चीन से आगे निकल गया है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान यहां 427 लोगों की मौत हुई है। इस यूरोपीय देश में अब तक 3405 लोग अपनी जान गवां चुके हैं। जबकि चीन में 3245 लोगों की जान गई है। महामारी के केंद्र उत्तरी इटली के बर्गमो शहर में शवों को हटाने के लिए सेना तैनात करनी पड़ी है।

मिलान शहर से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित बर्गमो के एक निवासी द्वारा बनाए गए एक वीडियो को स्थानीय अखबार इको डी बर्गमो ने अपनी वेबसाइट पर साझा किया है। वीडियो में रात के वक्त बर्गमो की सड़कों पर सेना के ट्रकों की लंबी कतार दिख रही है। इन ट्रकों में शहर के कब्रिस्तान से हटाए गए ताबूतों को रखा जा रहा है। कब्रिस्तान के प्रभारी जियोकोमो एंजेलोनी ने बताया कि रोजाना 24 शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। यह संख्या रोजाना की अधिकतम क्षमता से दोगुनी है।

पूरे इटली में बुधवार को एक दिन में सबसे ज्यादा 475 मौतें हुई थीं। 300 से ज्यादा मौतें अकेले लोंबार्डिया क्षेत्र में हुईं। इटली के इसी क्षेत्र में आने वाले बर्गमो में चार हजार से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए हैं। कोरोना वायरस के चलते छह करोड़ की आबादी वाला इटली पूरी तरह लॉकडाउन है। 25 मार्च को खत्म होने वाले इस लॉकडाउन को बढ़ाने का एलान कर दिया गया है।

यूरोप में इटली के बाद ब्रिटेन की राजधानी लंदन भी लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा है। लंदन के 40 अंडरग्राउंड स्टेशनों को बंद करने पर विचार हो रहा है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए सख्त उपायों पर विचार कर रहे हैं। देशभर में स्कूलों को बंद करने का आदेश देने के बाद जॉनसन ने बुधवार को कहा था कि लंदन को लॉकडाउन करने जैसे कदम से इन्कार नहीं किया जा रहा। लंदन में 20 हजार सैनिकों को आपात स्थिति के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। ब्रिटेन में अब तक 2,626 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से 953 अकेले लंदन में सामने आए हैं।

ईरान में 149 की मौत, दस हजार कैदियों को और मिलेगी माफी : ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि मुल्क में बीते 24 घंटे के दौरान 149 और पीड़ितों की मौत हो गई। इसे लेकर मरने वालों का आंकड़ा 1284 हो गया है। देश में 1,048 नए मामले पाए गए हैं। वायरस की रोकथाम के प्रयास में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामनेई दस हजार से ज्यादा कैदियों की सजा और माफ करेंगे।

बर्गमो की सड़कों पर खड़े सेना के ट्रक। इनमें कब्रिस्तान से हटाए गए ताबूतों को रखा गया है। एएफपी

ईयू के मुख्य वार्ताकार बार्नियर भी आए महामारी की चपेट में

लंदन, प्रेट्र : यूरोपीय यूनियन (ईयू) के मुख्य वार्ताकार माइकल बार्नियर भी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए हैं। वायरस को लेकर उनका टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये गुरुवार को खुद इसकी पुष्टि की। ईयू से अलगाव के बाद ब्रिटेन के साथ भावी कारोबारी संबंधों को लेकर बातचीत का दौर चल रहा है। इस बातचीत में 69 वर्षीय बार्नियर ईयू के मुख्य वार्ताकार हैं। वह फ्रांस के विदेश मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने ट्विटर वीडियो संदेश में कहा, 'मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि मेरा टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। मैं सभी दिशा-निर्देशों का पालन कर रहा हूं।'

कोविड-19 का असर

- स्पेन में 24 घंटे में मरने वालों की संख्या 30 फीसद बढ़ी
- जर्मनी में एक दिन में 2801 नए मामलों के साथ संक्रमितों की संख्या 10,999 हुई
- रूस में कोरोना वायरस से पहली मौत, अब तक 147 मामले सामने आए
- नेपाल ने यूरोप, पश्चिम एशिया, जापान से आने वाले यात्रियों पर रोक लगाई
- बांग्लादेश में भी पहले रोगी की गई जान, अब तक 14 संक्रमित
- ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इजरायल ने विदेशियों के लिए अपनी सीमाएं बंद कीं
- बेल्जियम में 309 नए पीड़ितों के साथ संक्रमित लोगों की संख्या 1795 हुई

सर्वाधिक प्रभावित देश

देश	मौत	संक्रमित
चीन	3,245	80,928
इटली	3405	35,713
ईरान	1284	18,407
स्पेन	767	17147
फ्रांस	264	9134
अमेरिका	116	9269
ब्रिटेन	104	2626
दक्षिण कोरिया	91	8565
नीदरलैंड्स	58	2051
जर्मनी	28	10,999

अमेरिका से भारतीय छात्रों की दिक्कतें दूर करने की अपील

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में कोरोना वायरस के कारण शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं। इसकी वजह से यहां पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय दूतावास ने अमेरिकी सरकार से इन छात्रों की दिक्कतों का समाधान करने का आग्रह किया है।

वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के अलावा ह्यूस्टन, अटलांटा, शिकागो, न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में बनाए गए पांचों वाणिज्य दूतावास भी हेल्पलाइन चला रहे हैं। दूतावास ने भारतीय छात्रों के लिए जारी एडवाइजरी में कहा, 'अमेरिकी सरकार ने संकेत दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय छात्रों की स्थिति पर करीबी नजर रख रही है।'

दो लाख से ज्यादा भारतीय छात्र : अमेरिका के विविध शिक्षण संस्थानों में दो लाख से ज्यादा भारतीय छात्रों ने दाखिला ले रखा है। ज्यादातर छात्र विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी की पढ़ाई कर रहे हैं। कोरोना वायरस के चलते 300 से ज्यादा शीर्ष यूनिवर्सिटी और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

छात्रों की यह बड़ी चिंता : कई यूनिवर्सिटी की ओर से ऑनलाइन क्लासेज शुरू की गई हैं और छात्रों को हॉस्टल खाली करने को कहा गया है। लेकिन अमेरिका और भारत में यात्रा संबंधी तमाम पाबंदियों के चलते छात्रों के सामने कई दिक्कतें खड़ी हो गई हैं। वे वीजा शर्तों को लेकर भी चिंतित हैं क्योंकि वीजा में ऑनलाइन क्लासेज की अनुमति नहीं है। बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका में पढ़ने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों में चीन के बाद सबसे ज्यादा भारतीय छात्र हैं।

मरीजों को डायरिया की भी है शिकायत

बीजिंग, प्रेट्र : कोरोना वायरस के संक्रमण से अकेले सांस लेने में ही दिक्कत नहीं होती बल्कि पाचन तंत्र में गड़बड़ी और डायरिया भी हो सकता है। एक ताजा अध्ययन में सामने आया है कि कोरोना पीड़ित जिन लोगों को सांस लेने में दिक्कत नहीं होती है उनमें डायरिया के लक्षण हो सकते हैं।

अमेरिकी जर्नल गैस्ट्रोएंटेरोलाजी में प्रकाशित इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 वायरस से पीड़ित जिन मरीजों में सांस लेने में दिक्कत का लक्षण नहीं मिला उनमें भूख न लगने और डायरिया के लक्षण पाये गये। वुहान मेडिकल ट्रीटमेंट एक्सपर्ट टीम केसदस्य रहे इन शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन मरीजों को सिर्फ पाचन संबंधी दिक्कत हुई उनमें यह लक्षण संक्रमित होने के काफी समय बाद देखने को मिला।

शोधकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने चीन के हुबेई प्रांत के तीन अस्पतालों के कोरोना पीड़ितों को अपने अध्ययन में शामिल किया। इसमें पाचन में गड़बड़ी और बिना गड़बड़ी वाले दोनों तरह के मरीजों को शामिल किया गया। इसमें पांच मार्च तक मरीजों के संक्रमण की चपेट में आने के बाद से लक्षण, इलाज दवाओं के असर आदि के डाटा को बारीकी से अध्ययन किया गया।

सिंगापुर के हवाई अड्डे पर फंसे 97 भारतीय यात्री

सिंगापुर, प्रेट्र : कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए भारत द्वारा लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के कारण फिलीपींस और मलेशिया से लौट रहे 97 भारतीय यात्री सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। सिंगापुर में भारतीय उच्चायोग ने गुरुवार को बताया कि वह फंसे भारतीयों को विमान से भारत भेजने का इंतजाम कर रहा है। उच्चायोग ने बताया कि सिंगापुर ने आसियान क्षेत्र से या वहां से होकर आने वाले यात्रियों पर यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं। इसके चलते यात्री सिंगापुर में प्रवेश नहीं कर सकते। सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त जावेद अशरफ ने गुरुवार को कहा कि हम इन भारतीयों को उनके घर वापस भेजने का प्रबंध करने के लिए विदेश मंत्रालय एवं उड्डयन मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

उच्चायोग कर रहा यात्रियों को भारत भेजने का इंतजाम, इनमें से मलेशिया से आए हैं अधिकतर यात्री

अशरफ ने कहा कि हम एयर इंडिया, सिंगापुर एयरलाइंस और चांगी हवाई अड्डे के साथ भी मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि इन फंसे यात्रियों को भारत भेजा जा सके। चांगी हवाई अड्डे पर उच्चायोग के अधिकारी यात्रियों को भोजन एवं अन्य सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें से अधिकतर यात्री मलेशिया से आए हैं। मलेशिया ने अपनी सीमाएं बंद कर दी हैं। उसने अपने नागरिकों से भी यात्रा नहीं करने को कहा है। भारत ने भी मलेशिया और फिलीपींस समेत कुछ देशों से यात्रियों के आगमन पर रोक लगा दी है। सिंगापुर एयरलाइंस ने फंसे यात्रियों को भारत ले जाने पर सहमति जताई है, क्योंकि गुरुवार को एयर इंडिया की कोई उड़ान सिंगापुर से भारत जाने के लिए निर्धारित नहीं है।

जापान के तट पर खड़े जहाज में पॉजिटिव मिले 16 भारतीय इलाज के बाद घर लौटे

जापान तट पर खड़े पोत में सवार और कोरोना वायरस से पीड़ित 16 भारतीय नागरिक उसी देश में इलाज के बाद भारत लौट चुके हैं। सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा को यह जानकारी दी। एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधर ने सदन को बताया कि डायमंड प्रिंसेज क्रूज पोत पर चालक दल के 132 सदस्यों सहित 138 भारतीय सवार थे। इनमें से 119 भारतीय नागरिकों को एयर इंडिया की विशेष उड़ान से 27 फरवरी को निकाल लिया गया। लौटने के बाद उन्हें हरियाणा के मानेसर में भारतीय सैन्य केंद्र में पृथक रखा गया था। मंत्री ने बताया कि 16 भारतीय नागरिकों को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। उनका जापान में ही तटीय चिकित्सा केंद्र में इलाज किया गया। उपचार पूरा होने के बाद इन सभी को छुट्टी दे दी गई और उपलब्ध सूचना के अनुसार वे भारत लौट चुके हैं। मुरलीधरन ने बताया कि तीन भारतीय नागरिकों को वहीं पर रहने का विकल्प चुना और उन्हें जापान तटीय केंद्र में पृथक रखा गया था।

ब्रिटेन की महारानी ने छोड़ा बकिंघम पैलेस

लंदन में फैले कोरोना वायरस के संक्रमण के बीच ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय बकिंघम पैलेस छोड़कर बर्कशायर स्थित विंडसर कैसल चली गई हैं। उन्होंने यह कदम संक्रमण रोकने के लिए सामाजिक दूरी बनाने के मद्देनजर उठाया है। एपी

सीमाएं बंद, यूरोपीय देशों में भीषण जाम

कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते सीमाएं बंद करने की घोषणा के बाद यूरोपीय देशों में भीषण जाम लगने लगा है। कार और ट्रक ड्राइवर जल्द से जल्द अपने घर पहुंचने की कोशिश में हैं। यह तस्वीर पोलैंड सीमा पर जर्मन शहर गोर्लित्ज़ की है। यहां करीब 40 किमी लंबा जाम लग गया। एपी

चीन में पहली बार संक्रमण का कोई नया मामला नहीं

बीजिंग, प्रेट्र : चीन अब कोरोना वायरस के प्रकोप से उबरने लगा है। वुहान समेत पूरे देश में तीन माह में पहली बार घरेलू संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया। लेकिन आठ और पीड़ितों की मौत हो गई। मध्य चीन के हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान से ही इस खतरनाक वायरस का प्रकोप शुरू हुआ था।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने गुरुवार को अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा, बुधवार को स्थानीय स्तर पर संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया। हालांकि 34 नए मामलों की पुष्टि हुई है, लेकिन ये सभी विदेश से आए लोग हैं। प्रकोप के केंद्र वुहान में भी किसी नए मामले की खबर नहीं है। इसी शहर में गत दिसंबर में पहला मामला सामने आया था। चीन में सर्वाधिक मामले भी इसी शहर में पाए गए थे। चीन ने वायरस पर रोकथाम के लिए गत 23 जनवरी को वुहान समेत पूरे हुबेई में आवाजाही पर रोक लगा दी थी। इसके साथ ही देशभर में तमाम पाबंदियां लगाई गई थीं। चीन में कोरोना वायरस के कुल 80,928 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें 3,245 की मौत हो गई। जबकि 70 हजार 420 पीड़ितों को उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है।

मरीजों पर कारगर नहीं साबित हुई एचआइवी की दवा

बीजिंग, रायटर : कोरोना के मरीजों पर एचआइवी की दो दवाओं को मिलाकर बनाई गई गोली का कोई प्रभाव नहीं देखा गया। न्यू इंग्लैण्ड जर्नल आफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

बुधवार को आनलाइन प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार 99 मरीजों को एचआइवी की दवाओं लोपिनाविर और रिटोनाविर को मिलाकर बनी एक वाइ इक्स कालेतरा नाम की दवा दी गई। जबकि 100 अन्य मरीजों को मानक दवाएं दी गईं। मरीजों पर 28 दिन तक अध्ययन किया गया। मानक इलाज कराने वालों के मुकाबले एचआइवी की दवा लेने वाले मरीजों में मामूली सुधार ही देखा गया। मानक दवाओं वाले मरीजों में जहां औसतन इलाज शुरू होने के 16वें दिन से सुधार देखने को मिला वहीं एचआइवी की दवा वालों में 15वें दिन से सुधार देखा गया। एचआइवी की दवा के साइड इफेक्ट भी देखने को मिले।

अध्ययन के अनुसार 13.8 फीसद मामलों में मरीजों को समस्या होने पर इलाज रोकना भी पड़ा। इस मिश्रित दवा का पहले ठीक से परीक्षण भी नहीं किया गया था जो किसी दवा का प्रभाव जानने का मानक तरीका है। वुहान के जिन विन तान अस्पताल में जिन मरीजों पर यह अध्ययन किया गया उन सभी को न्यूमोनिया था।

यह अध्ययन चीन के नेशनल रिसर्च सेंटर फार रिस्पाइटरी डिसीजेज के डा. बिन काओ के नेतृत्व में किया गया। अध्ययन का उद्देश्य दोनों तरह के इलाज के परिणामों को जानना था। मेडिकल जर्नल के संपादक डा. लिंडसे बेडन और डा.एरिक जे.रुबिन ने इस परीक्षण को साहसिक प्रयास बताया है। हालांकि वे परीक्षण के नतीजों से उत्साहित नहीं हैं। इस इलाज से वायरस के विस्तार को रोकने में खास मदद नहीं मिली। कई देशों में डाक्टर इस एचआइवी थेरेपी पर भरोसा कर रहे हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी इस इलाज की संस्तुति दे रखी है।

निष्कर्ष

- मानक इलाज कराने वालों की तुलना में मामूली सुधार ही दिखा
- साइड इफेक्ट के कारण कई मरीजों का इलाज रोकना भी पड़ा

पाकिस्तान में पीड़ितों की संख्या 300 के पार, दो की मौत

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 301 हो गई है। दो मरीजों की मौत भी हो चुकी है। ये दोनों मौत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुई हैं। पाकिस्तान में संक्रमण के मामले सभी प्रांतों में सामने आ रहे हैं लेकिन 208 मरीजों के साथ सिंध कोरोना से सबसे प्रभावित प्रांत है। बलूचिस्तान में 23 मामले सामने आ चुके हैं।

ईरान से सटे होने के कारण भी पाकिस्तान में संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका जताई गई है। तेजी से बढ़ते संक्रमण के मामलों के बीच मुल्क में लोगों की सबसे बड़ी चिंता समुचित जांच और इलाज को लेकर है। कोरोना संक्रमण की जांच के लिए विशेष किट, मास्क और अन्य जरूरी चिकित्सकीय उपकरणों की कमी को देखते हुए डॉक्टरों ने काम बंद करने की चेतावनी दी है। लाहौर में लोगों ने शिकायत की है कि कुछ अस्पताल कोरोना संक्रमण की जांच के लिए नौ हजार रुपये तक वसूल रहे हैं। हालांकि सरकार का कहना है कि जांच मुफ्त हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रकोप न फैले इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

महामारी से निपटने में ट्रंप प्रशासन युद्धस्तर पर जुटा

तैयारी

अमेरिकी करदाताओं को सीधे भुगतान के लिए संसद से 500 अरब डॉलर मांगने की तैयारी

न्यूयॉर्क टाइम्स से

वाशिंगटन : अमेरिका में कोरोना वायरस से निपटने के लिए ट्रंप प्रशासन युद्धस्तर पर जुट गया है। प्रशासन इस पर अंकुश लगाने के प्रयास तेज करने के साथ ही नागरिकों और कारोबारियों के लिए भारी भरकम धनराशि की व्यवस्था भी करने में जुट गया है।

संसद से करदाताओं को सीधे भुगतान करने के लिए 500 अरब डॉलर (करीब 37 लाख करोड़ रुपये) को स्वीकृति देने की मांग की गई है। इतनी ही राशि उद्योगों को लोन देने के लिए मांगी गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को युद्धकाल के कानून डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट को लागू करने के साथ ही यह एलान किया कि वह रोगियों के उपचार के लिए दो मिलेट्री हॉस्पिटल शिप न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया भेजेंगे। शुरू में प्रकोप को ज्यादा महत्व नहीं देने वाले ट्रंप ने कहा, 'मैं खुद को इस समय युद्धकाल जैसा राष्ट्रपति महसूस कर रहा हूं और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकियों द्वारा किए गए प्रयासों की यादें ताजा हो रही हैं। अब यह हमारा दौर है। हमें एकजुट होकर त्याग करने की जरूरत है, क्योंकि हम एक हैं। यह नहीं दिखने वाला दुश्मन है।'

अरबों डॉलर के बिल पर किया हस्ताक्षर : राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को अरबों डॉलर के एक बिल पर हस्ताक्षर कर दिया। यह बिल संसद से पारित होकर ट्रंप के पास आया था। इसमें बेरोजगारी बीमा, खाद्य मदद और उपचार के लिए संघीय सहायता की बात की गई है। फेमिली फर्स्ट कोरोना वायरस रेस्पांस एक्ट नामक बिल में प्रभावित कर्मचारियों के लिए वेतन समेत अवकाश और मुफ्त जांच की भी व्यवस्था की गई है।

दो अमेरिकी सांसद भी चपेट में : अमेरिका के दो सांसद भी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए हैं। सांसद मारियो डियाज बलार्ट और बेन मैकएडम्स के टेस्ट पॉजिटिव पाए गए हैं। दोनों सांसदों की ओर से इसकी पुष्टि की गई है। अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले नौ हजार के पार पहुंचने के साथ ही करीब 150 की मौत हुई है।

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

बड़े बाल रख सकेंगे अमेरिकी नौसैनिक

अमेरिका की नौसेना ने नौसैनिकों के लिए बाल की लंबाई को लेकर सख्त नियमों में थोड़ी ढील दी है। इस कदम से नौसैनिक लंबे बाल रख सकेंगे। नौसेना ने बुधवार को एलान किया कि पुरुष और महिला कमांडिंग अधिकारियों को अस्थायी तौर पर बाल की लंबाई के मामले में अस्थायी ढील दी जा रही है। इससे कोरोना वायरस से बचाव में मदद मिल सकती है। नौसेना के नियमों के अनुसार, पुरुष चार इंच से ज्यादा लंबे बाल नहीं रख सकते हैं। महिलाओं के बाल गर्दन के नीचे नहीं रहना चाहिए।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, नहीं हूं जार

मॉस्को, एएफपी : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी तुलना जार से किए जाने की चर्चाओं को खारिज किया है। कहा है- वह जार नहीं हैं। वह प्रतिदिन काम करते हैं और सुनते हैं कि लोग क्या चाहते हैं। इसलिए उन्हें जार जैसा बताना सही नहीं है। रूस में जार बादशाह या सुल्तान को कहा जाता था। उनका 370 साल का शासन अत्याचार और मनमानी के लिए जाना जाता है। सन 1917 में जनक्रांति से जारशाही का अंत हुआ था।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास से साक्षात्कार में पुतिन ने कहा, कोई भी किसी को जार कह सकता है। लेकिन मेरा मामला अलग है। मैं प्रतिदिन कार्य करता हूं, लोगों के लिए, देशहित में कार्य करता हूं, इसलिए पद से त्यागपत्र नहीं दूंगा। साक्षात्कार में 2024 तक के कार्यकालों पर पुतिन ने कहा, यह सब लोगों की इच्छा पर संभव हुआ। किसी भी देश की ताकत के प्राथमिक स्रोत उसमें रहने वाले आमजन होते हैं।

ट्रंप से भारतीय पेशेवरों को ग्रीन कार्ड में राहत दिलाने का अनुरोध

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में भारत के उच्च दक्षता प्राप्त पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करने वाली गैर लाभकारी संस्था ने ग्रीन कार्ड के मामले में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। कहा है कि तमाम भारतीय एच-1 बी वीजा होल्डर पेशेवर ग्रीन कार्ड या कानूनी रूप से स्थायी निवास की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए राष्ट्रपति प्रक्रिया में व्याप्त नौकरशाही और कानूनी रुकावटों को हटाने के लिए कदम उठाएं। वीजा लेकर जाने वाले दक्ष पेशेवर ही अमेरिका में काम कर सकते हैं।

तकनीक क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनियां काफी हद तक भारत और चीन के पेशेवरों पर आश्रित हैं। एच-1 बी वीजा पर ये कंपनियां पेशेवरों को बुलाती हैं लेकिन उनके कार्य की अवधि निश्चित होती है। कुछ शर्तों के साथ स्थायी रूप से अमेरिका में रहने और कार्य करने के लिए ग्रीन कार्ड की जरूरत होती है। अनुभव के आधार पर उच्च दक्षता प्राप्त करने वाले पेशेवरों की कंपनियों को भी जरूरत होती है। इसलिए ग्रीन कार्ड को द्विपक्षीय लाभ वाली योजना माना जाता है। इसमें परोक्ष रूप से अमेरिका का भी फायदा निहित है। ट्रंप प्रशासन के बदले आव्रजन नियमों के चलते पूर्व के वर्षों की तुलना ग्रीन कार्ड पाना अब मुश्किल हो गया है।

संस्था ने कहा, सरकारी प्रक्रिया की रुकावटों को हटवाएं राष्ट्रपति

हाई स्किल्ड इमीग्रेंट्स ऑफ इंडिया नाम की संस्था ने कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप अगर सरकारी प्रक्रिया में सहूलियत दिला दें तो पांच लाख से ज्यादा भारतीय पेशेवरों और उनके परिजनों के लिए राहत वाली बात होगी। इसमें सभी का फायदा निहित है। चुनाव के दौर में माना जा रहा है कि बिना नियम बदले सरकारी प्रक्रिया में भारतीय पेशेवरों को यह सहूलियत मिल सकती है।